

of November last year, Ministry of Health asked the Port Health Officer to clear WFP Oil as decided in July 1979. From 25th of June 1980 to July, 1980 i.e. after we took over, this Government was formed, it was only then that S.T.C. cleared 178 metric tonnes of this oil.

श्री यशवन्तराव चव्हाण : क्या बात है ?

श्री बीरेन्द्र सिंह राव : क्या बात नहीं, जो हम ने कारगुजारी की है वह भी बुरी लगती है और आप की कारगुजारी सारी मैंने बताई है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : 420 मीट्रीक टन था, कोई पहाड उटाना नहीं था।

श्री बीरेन्द्र सिंह राव : अब वह 420 पहले की थी, हमारी नहीं थी। हमारे टाइम में 420 नहीं रही, 178 टन घट गई।

SHRI SUBHASH CHANDRA BOSE (Alluri): I would like to know from the hon. Minister whether the oil which was presented to this country by the U.N.O. and F.A.O., was bad oil or unusual for human consumption or was it found to be so fater it reached India?

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: I have stated that because of some colouring material, this was not declared fit for human consumption. Later on, after it had been stored for a long time, the toxic matter had also gone up, as reported.

SHRI SATYASADHAN CHAKRA-BORTY: In the light of the statement of the hon. Minister, I would like to ask one question. The whole thing was supplied by the United Nations Organisation and, as per the statement of the hon. Minister, the whole thing was not found fit for human consumption. Is the Government of India going to write to the U.N.O. as to why

this thing was sent to India which was not fit for human consumption? That is absolutely necessary.

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: I have noted the suggestion. But the material supplied to us by World Food Council was absolutely free, as a gift, and, as was decided by the authorities then, it could be used for other purposes....

SHRI SATYASADHAN CHAKRA-BORTY: Are we such beggars that we cannot choose? Are we to get only a poisonous gift?

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: Not only we are not beggars but our standards of food are higher as can be proved in this case that because of colouring material, a thing which was probably thought fit for human consumption by the advanced countries was not considered fit for human consumption here.

वर्ष 1979-80 के दौरान राजस्थान नहर परियोजना के लिये धनराशि का उपयोग किया जाना

* 82^क. श्री कुम्भाराम शर्मा : क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान सिंचाई परियोजना (राजस्थान नहर परियोजना) के लिये वर्ष 1979-80 के बजट में नियत की गई राशि में से 8 करोड रुपये की राशि का उपयोग नहीं किया जा सका।

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ;

(ग) क्या उपरोक्त राशि उपयोग न किये जाने के कारण इस परियोजना को पूरा करने की निश्चित अवधि पर प्रभाव पड़ने की संभावना है ; और

(घ) यदि हां, तो उक्त परियोजना को पूरा करने में कितना विलम्ब हो सकता है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE
MINISTRY OF IRRIGATION (SHRI
Z. R. ANSARI): (a) Yes, Sir.

(b) Mainly due to short supply of cement and coal. Coal is required for burning bricks for lining the canal.

(c) and (d). The set back in the schedule on account of non-utilisation of funds is not likely to affect the overall target date for completion if supply of coal and cement is stepped up according to requirements for which efforts are continuing.

श्री कुंभाराम आर्य : क्या यह सच नहीं है कि पहले रेक्स प्रस्तावित करने का काम नहर परियोजना विभाग किया करता था, उससे यह कार्य लेकर के राज्य उद्योग विभाग को दे दिया गया और इस कार्य को पहले रेलवे प्राथमिकता दिया करती थी, वह प्राथमिकता अब घटा दी गई है ।

श्री जियाउर्रमान अंसारी : यह बात सही है कि इरीगेशन प्रोजेक्ट्स के लिए जो प्रियारिटी है वह बहुत लो प्रियारिटी है । अभी बंगलोर में फिफथ स्टेट्स एग्रीकलचर मिनिस्टर्स की कान्फ्रेंस में भी इस बात को नोट किया गया था और उन्होंने यह सिफारिश की है और मांग की है कि इरीगेशन प्रोजेक्ट्स के लिए वही प्रियारिटी रखी जाए जो पावर के प्रोजेक्ट्स के लिये है डिफेंस एण्ड फूड प्रोजेक्ट के बाद । यह बात सही है कि प्रियारिटी कम होने की वजह से, बहुत नीची होने की वजह से, कोल की सप्लाई पर असर पड़ा है, जिसकी वजह से कोल नहीं पहुंच सका । जिसकी वजह से डिले हुआ है ।

श्री कुंभाराम आर्य : अध्यक्ष महोदय मंत्री महोदय मेरे प्रश्न का आधा जवाब दे पाए । मेरा कहना था कि जो नहर परियोजना विभाग पहले प्रस्तावित किया करता था, रेक्स के लिए वह अधिकार उससे छीन लिया गया और उद्योग विभाग को दे दिया गया और उद्योग विभाग को कोल की बहुत कम जरूरत पड़ती है, साल के अंदर केवल दो रेक्स जबकि प्रोजेक्ट्स के अंदर 96 रेक्स की जरूरत पड़ती है । उद्योग विभाग चाहे कितनी भी कोशिश करे तब भी नहर परियोजना के कोल की डिमांड को पूरा नहीं कर पाता है । इसलिए यह व्यवस्था फिर से उसी तरह से कायम की जाए जैसी पहले थी ।

श्री जियाउर्रमान अंसारी : प्रोजेक्ट्स के इम्प्लेमेंटेशन का काम सेंट्रल गवर्नमेंट का नहीं है, स्टेट गवर्नमेंट का है । क्या अर्रेंजमेंट उन्होंने किया, पहले क्या था, क्या बेहतर या भलाई समझ कर उन्होंने उस अर्रेंजमेंट को बदला यह तो वही जानें लेकिन माननीय सदस्य ने जो सजेसन दिया है उस पर गौर किया जा सकता है । में ऐसा महसूस करता हूं कि स्टेट गवर्नमेंट्स इस पर गौर करेगी ।

श्री मूल चन्द्र डागा : राजस्थान कॅनल भारत की एक बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है । 1979-80 में आठ करोड़ रूपया लैप्स हो गया । उसका क्या कारण था ? उसकी कोयले की जितनी जरूरत थी उसका कितना प्रतिशत आपने पूरा किया ? कम क्यों दिया । क्यों उसकी जरूरतों की ओर ध्यान नहीं दिया ? राजस्थान सरकार की ओर से आपको बार बार रिमाइंडर भी भेजे गए और अलग अलग डेट्स को भेजे गये । क्यों नहीं आपने इस ओर ध्यान दिया और उसकी कोयले की मांग को पूरा किया ?

श्री जियाउर्रमान खंसारी : मैं पहले अर्ज कर चुका हूँ कि मेन प्रोबलम कोल और सिमेंट सप्लाई की वजह से पैदा हुई और आठ करोड़ रुपया युटिलाइज नहीं हो सका। कोल का मसला मेनली ट्रांसपोर्टेशन से ताल्लुक रखता है। मैं आप की जानकारी के लिए बता दूँ कि कुल उनकी रिक्वायरमेंट 96 रेक्स की थी लेकिन सिर्फ 9 रेक्स ही उनको 1979-80 में मिल सकी।

यह सही है कि रेक्स के एलोकेशन और ट्रांसपोर्टेशन बाटलनेक्स की वजह से ही मेनली यह खर्च नहीं हो सका।

Estimate of Export of Kharif Crop

*84. SHRI K. P. SINGH DEO:
SHRI VIRBHADRA SINGH:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether *Kharif* crop this year is going to touch an all time record;

(b) whether the country will soon be in a position to export foodgrains to other countries after meeting its own demands; and

(c) if so, Government's reaction in this regard and whether the targets of exports have been fixed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI R. V. SWAMINATHAN): (a) Yes, Sir. The preliminary tentative estimates based on the available information on rainfall and weather conditions and some preliminary reports on area under different crops indicate that production of foodgrains during the *kharif* season may touch an all-time high of 80 million tonnes as against the earlier peak level of 78.1 million tonnes.

(b) and (c). Keeping in view the availability and internal demand, limited quantities of cereals are being allowed to be exported under varied

arrangements—cash basis, barter basis and commodity loan basis. Besides export of basmati rice, which is already on Open General Licence (OG L-3), Government has decided to allow export of 10 lakh tonnes of rice and 89 thousand tonnes of barley during 1980-81.

SHRI K. P. SINGH DEO: Arising out of the answer to Qn. No. 38—that was on the 17th—and to this question, i.e. No. 84, it is clear that the agricultural output—50 per cent of which is contributed by small farmers—is dependent on the vagaries of the monsoon, and 40 per cent of our people are going under-nourished because of lack of cereals and pulses. I would like to know what is the size of the buffer stock at the moment and what is the buffer stock going to be after harvesting, what is the effect going to be on the public distribution system and what are the incentives that are going to be given to increase production so as to keep the buffer stock high.

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND RURAL RECONSTRUCTION AND IRRIGATION (SHRI BIRENDER SINGH RAO): It is a well established fact that the agricultural production in this country as well as in any other country depends upon whether more than anything else.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Here, we are wholly dependent on rainfall; there, they are not.

SHRI BIRENDER SINGH RAO: You have made a discovery, I think, Mr. Bosu; you have made a new discovery!

As regards the buffer stock, we have around 12 million tons at the moment or slightly more than that.

AN HON. MEMBER: How much rice and how much wheat?

SHRI BIRENDRA SINGH RAO: Mostly rice and a smaller quantity of wheat.